CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Gran

-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Gr

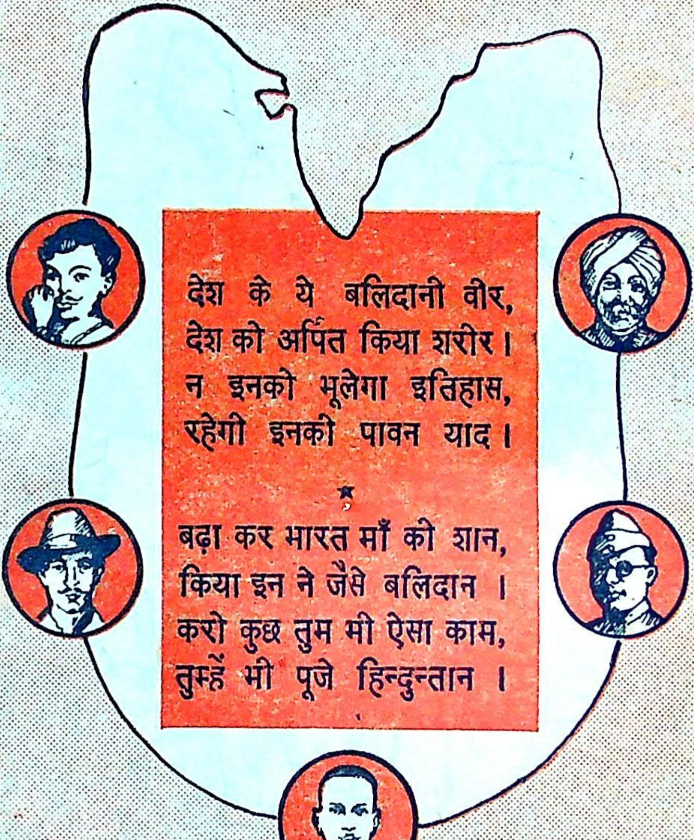

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-G

देश के ये बलिदानी वीर

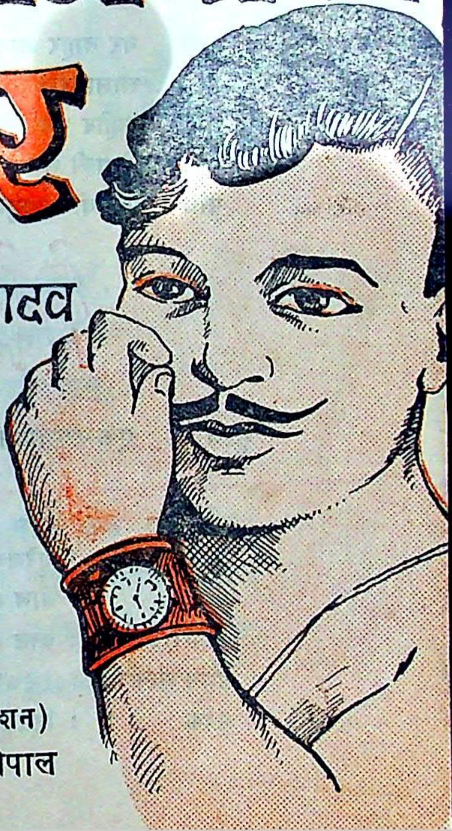

चन्द्रपालसिंह यादव
'मयंक'

बाल बुक बैंक
(संचालक : सरस्वती प्रकाशन)
दिल्ली • मथुरा • भोपाल

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

मेरी पुस्तक और मेरा नाम

....

क्रम

एक	नर नाहर आज़ाद	▷	५
दो	लाला लाजपत राय	▷	१८
तीन	शहीद भगतसिंह	▷	३५
चार	नेताजी सुभाष	▷	५३
पाँच	परमवीर अब्दुल हमीद	▷	७४

मूल्य : एक रुपया अस्सी पैसा (१·८०)

प्रकाशक : सुरेशचन्द्र अग्रवाल
बाल बुक बैंक, २६४, डीग गेट, मथुरा

कापीराइट : बाल बुक बैंक

प्रथम संस्करण : १६७१
मुद्रक : हितसरन अग्रवाल, सरस्वती प्रेस, मथुरा

-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-C

एक

नर नाहर आज़ाद

निराला शहर 'इलाहाबाद',
जहाँ पर नर-नाहर 'आजाद'।
देश के लिए हुए बलिदान,
सुनो वह बात लगा कर ध्यान—

बहुत दिन बीते तब यह देश,
गुलामी के सहता था क्लेश।
नहीं था भारतवर्ष स्वतंत्र,
ओफ! तब हम सब थे परतंत्र।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

यहाँ था अँगरेजों का राज,
दबा था तब सब भाँति समाज ।
उठी यह मन में सबके बात—
'हटा दें यह अँधियारी रात ।

चमकने लगे सुबह की धूप,
बनें हम खुद ही अपने भूप ।
भगा दें अंग्रेजों को दूर,
दबाये जो हमको भरपूर ।

और फिर होने लगे प्रयत्न,
जुटे सब मिल कर करने यत्न—
कि होवे 'भारत' देश स्वतंत्र,
लगे जपने 'स्वराज्य' का मंत्र ।

× × ×

शान्ति-सत्याग्रह का हथियार,
साथ जनता की शक्ति अपार--
जुटे 'बापू' तन - मन के साथ,
चले लड़ने, थे खाली हाथ !

-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-C

किया बच्चो ! अद्भुत संग्राम,
नहीं क्षण भर भी लिया विराम।
धन्य है वह भी कथा महान्,
अमर है 'बापू' का आख्यान ।

× × ×

और कुछ वीरों ने की 'क्रान्ति',
नहीं थी जिनको प्यारी शाँति।
न था जिनको प्राणों का मोह,
लगे करने छिप कर विद्रोह ।

बहुत से ऐसे भी थे वीर–
साहसी, शूरवीर, रणधीर !

इस तरह जितने हुए प्रयत्न,
दबाये गए सभी कर यत्न
दुष्ट अँगरेजों से भरपूर,
अत्याधिक निर्मम थे, क्रूर ।

ली गई कितनों ही की जान,
छिन गई कितनों की मुस्कान !

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

मिट गए कितने ही परिवार,
हो गए कितने बेघरवार ।
छिने कितनी माँओं के लाल,
पुँछे कितने सिन्दूरी भाल ।

एक ऐसा ही मार्मिक आख्यान,
सुनाता हूँ मैं तुम्हें महान—

बहुत दिन बीते तब वह वीर,
हुआ था शूरवीर रणधीर ।
'चन्द्रशेखर' था उसका नाम,
वीरता के करता था काम ।

देखने से लगता था वीर,
बड़ा आकर्षक पुष्ट शरीर ।
अरे, थी देह या कि फौलाद ?
उसे सब कहते थे 'आजाद' ।

सोचता रहता था दिन-रात,
देश की आजादी की बात ।

-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-(

'शक्ति का करके सफल प्रयोग,
किस तरह ले आवें वह योग,—
कि होवे भारत देश स्वतंत्र,
क्रान्ति का फूकें ऐसा मंत्र ।'

क्रान्तिकारी था इतना वीर,
बना था वज्र - समान शरीर ।
प्राण की थी न उसे परवाह,
देश की आजादी की चाह ।

किये थी उसको अति बेचैन,
बनी रहती चिन्ता दिन - रैन ।
कि होवे भारत देश स्वतंत्र,
क्रान्ति का फूंकें ऐसा मंत्र ।

× × ×

× × ×

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025

मिले थे उनको ऐसे मित्र,
सभी दीवाने, सभी विचित्र ।
भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव,
रहे सहते जो दुःख स्वयमेव ।

देश की आजादी के हित,
रखते जान हथेली पर नित ।
रक्त के प्यासे थे अँगरेज,
दृष्टि के तीव्र, नाक के तेज ।

-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-C

सूँघ लेते थे क्रान्ति सुगन्ध,
और करते थे कड़ा प्रबन्ध ।
क्रान्ति को कर दें नष्ट समूल,
क्रान्ति का नाम न लें फिर भूल ।

रहे अपना शासन निर्द्वन्द्व,
न हो हमको कोई दुख-द्वन्द्व ।

टोह में पुलिस और जासूस,
लगे थे, खबरें लेते चूस ।
चूसता है खटमल ज्यों रक्त,
स्वार्थरत, अंगरेजों के भक्त ।

× × ×

क्रान्तिकारी हो-हो हैरान,
भागकर बचा रहे थे प्राण ।

'कानपुर' में थे तब 'आजाद',
जिन्हें कर्त्तव्य कर्म था याद ।
कर रहे छिप-छिप कर वे काम,
कहाँ दीवानों को विश्राम ?

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

सोचते रहते थे दिन - रात,
देश की आजादी की बात ।
कि होवे भारत देश स्वतंत्र,
क्रान्ति का फूँकें ऐसा मंत्र ।

पहुँची अँगरेजों तक यह बात,
वहाँ से चल कर रातों रात ।
आ गये शीघ्र इलाहाबाद,
साहसी, शूरवीर 'आजाद' ।

और पीछे - पीछे जासूस,
आ गये अँगरेजों के दूत ।
एक दिन जब कि वीर 'आजाद',
कर रहे थे कुछ वाद - विवाद ।

मित्र-संग एक पार्क के बीच,
वहाँ भी जा पहुँचे वे नीच ।
'पकड़ कर इन्हें बना लें काम,
मिले तब हमको खूब इनाम ।'

× × ×

-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-C

मित्र को हटा दिया तत्काल,
और अपनी पिस्तौल निकाल।
हो गये रक्षा-हित तैयार।
नहीं क्षणभर भी किया विचार।

वीरवर थे 'आजाद' महान,
हथेली पर रखते थे जान।

'नाट बाबर' अफ़सर अँगरेज,
बड़ा चालाक, चतुर औ' तेज।
साथ में पुलिसमैन थे और,
हुआ प्रारम्भ युद्ध उस ठौर।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

चल रही ठाँय-ठाँय पिस्तौल,
हो रहा वहाँ प्राण का मोल।
इधर था बाँका नाहर एक,
शिकारी थे उस ओर अनेक।

सामना करके काफी देर,
अन्त में गोली खाकर शेर।
गिर पड़ा शूरवीर 'आजाद',
छोड़ कर अपनी पावन याद।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

खून से लिखा गया इतिहास,
हो गया 'अलफ्रेड पार्क' उदास ।

रहे डरते फिर भी अँगरेज,
प्राण का भय था जिनको तेज।
रहे वे दूर, न आये पास,
हो गया जब पूरा विश्वास ।

कि हैं 'आजाद' हुए निष्प्राण,
क्रान्तिकारी वह वीर महान ।
चल दिया दूर मृत्यु के देश,
नहीं है भय अब उससे लेश ।

तभी डर - डर के आये पास,
शान्ति की खींची सबने साँस !

× × ×

× × ×

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

हुआ है अब तो देश स्वतंत्र,
आज है यहाँ मुक्त जनतंत्र।
देश में है जनता का राज,
प्राप्त भारत को हुआ 'स्वराज्य'।

किन्तु यह अति पावन इतिहास,
वीरता-देश भक्ति - विश्वास,
रहेगा करता हमें प्रदान,
वीरवर थे 'आजाद' महान्।

निराला नगर 'इलाहाबाद',
जहाँ पर शूरवीर 'आजाद'।
देश के लिए हुए बलिदान,
दे गये हँसते - हँसते जान।

वहाँ 'अलफ्रेड पार्क' में मूर्ति,
बनी है उनकी, देती स्फूर्ति।
दिलाती उनकी पावन याद,
धन्य हैं 'नर-नाहर आजाद'।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

बात इतनी तुम रखना याद,
कि जाओ अगर 'इलाहाबाद'।
देखना 'अल्फ्रेड पार्क' जरूर,
जगह जो नहीं अधिक है दूर।

जहाँ 'आजाद' हुए बलिदान,
जहाँ लड़ कर दे दी थी जान।
देश की आन - बान के हित में,
देश के स्वाभिमान के हित में।

देखना तुम वह पुण्य - स्थान,
जहाँ 'आजाद' हुए बलिदान।
देखना उसे न जाना भूल,
चढ़ाना श्रद्धा के दो फूल।

✦✦

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

दो

लाला लाजपतराय

भारत - माता का गौरव था,
जिन ने बहुत बढ़ाया ।
मातृ - भूमि की बलिवेदी पर,
जीवन - सुमन चढ़ाया ।

नाम 'लाजपतराय'— किन्तु,
'लाला जी' थे कहलाते ।
कर्णधार—भारत की जनता,
को सतपथ थे दिखलाते ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

राजनीति के चतुर खिलाड़ी,
वक्ता बड़े धुरन्धर ।
शूरवीर, साहस के पुतले,
नहीं जानते थे डर ।

अँगरेजों की कूटनीति से,
ली जीवन भर टक्कर ।
और देश के लिए प्राण भी,
किये सहर्ष निछावर ।

मरकर भी था अमर कर दिया,
जग में अपना नाम ।
देशभक्त उन 'लालाजी' को,
बारम्बार प्रणाम ।

आओ, आज उन्हीं की पावन,
गाथा तुम्हें सुनाऊँ ।
'लालाजी' की अमर कहानी,
मैं तुमको बतलाऊँ—

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

जन्म लिया पंजाब प्रान्त में,
शिक्षा भी थी पाई ।
आयु - वृद्धि के साथ - साथ
ज्ञान - ज्योति भी पाई ।

मेधावी थे बड़े, बुद्धि के
तीव्र, बड़े विद्वान ।
सभी क्षेत्रों में ही उनका,
बढ़ा हुआ था ज्ञान ।

मातृ - भूमि की पराधीनता,
उनको दुखी बनाती ।
पर भारत की विगत समुन्नति,
गौरव से भर जाती ।

लगीं हिलोरें लेने लहरें,
स्वतंत्रता की मन में ।
पराधीनता का दारुण दुख,
कसक उठा जीवन में ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

यही सोचते थे— कैसे,
भारत स्वतंत्र हो सकता ?

पराधीनता का कलंक है,
किस प्रकार धुल सकता ?

मातृभूमि की स्वतंत्रता की,
चिन्ता विकल बनाती ।

रातों में भी जागा करते,
उनको नींद न आती ।

× × ×

× × ×

बड़े सुलेखक—प्रखर लेखनी,
बड़ी शक्ति वाली थी ।

साथ - साथ ही वाणी भी,
अतिशय प्रभावशाली थी ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

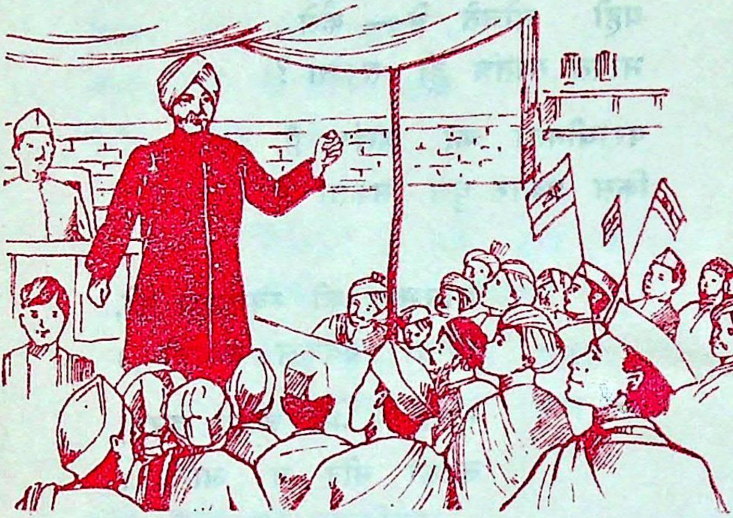

उच्च कोटि के वक्ता थे,
धारा - प्रवाह देते भाषण ।
सुन कर उनकी ढिग खिच आते,
सारे के सारे श्रोतागण ।

किया समाज-सुधार, दलित-
उद्धार, कार्य दिन दूना ।
उनका जीवन बना लोक-
सेवा का एक नमूना ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

शिक्षा के प्रसार में आगे,
रहते थे वह बढ़ कर ।
डी० ए० वी० कालेज की सेवा,
हित रहते थे वे तत्पर ।

सब उनका आदर करते थे,
सबसे श्रद्धा पाते ।
भारतीय जनता के नेता,
सबको राह दिखाते ।

स्वामी 'दयानन्द' जी का
जीवन - चरित्र लिख डाला ।
ऋषि के ज्ञान और गुण का,
फैला चहुं ओर उजाला ।

बड़ी विद्वता से भारत के,
महत्व को दर्शाया ।
आर्य - जगत के सन्यासी का,
सुयश चतुर्दिश छाया ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

लिखी जीवनी 'वीर शिवाजी',
'बन्दा वैरागी' की ।
'कृष्ण' 'मेजिनी' 'गैरीबाल्डी',
आदि आत्म - त्यागी की ।

इनके द्वारा देश - प्रेम की,
पावन धार बहायी ।
भारतीय-जनता में अद्भुत,
जीवन - ज्योति जगायी ।

'मिस मेयो' अमरीकन लेडी,
थी छोटे मन वाली ।
'मदर इण्डिया' पुस्तक उसने,
भारत पर लिख डाली ।

बढ़ा - चढ़ा कर झूठी उसने,
बातें लिख दीं उस पुस्तक में ।
फलस्वरूप जिसके, भारत का,
मान घटा था सारे जग में ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

सभी भारतीयों को इससे,
क्रोध हुआ था उस पर ।
सभी चाहते थे—'मेयो' को,
दे दें कस कर उत्तर ।

'लाला जी' ने तब बच्चो,
'मिस मेयो' के उत्तर में ।
'दुखिया भारत' पुस्तक लिख दी,
जो फैली जग भर में ।

उसमें 'मिस मेयो' की झूठी,
बातों का खण्डन था ।
भारत - माँ के गौरव और,
महत्ता का मण्डन था ।

यों 'लाला लाजपतराय' का,
नाम विश्व में फैला ।
'मेयो' के झूठे प्रचार का,
भ्रम टूटा अति मैला ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

'लाला जी' अध्यक्ष काँग्रेस,
के थे गए बनाए ।
श्रद्धा - सुमन देश की जनता,
ने उन पर बरसाए ।

× × ×

देश - भक्ति 'लाला जी' थे,
विद्वान, बुद्धि के तेज ।
उनसे बड़े क्रुद्ध थे, बच्चो !
भारत के अँग्रेज ।

लगे ताक में रहते थे,
यदि कोई मौका पाएँ ।
'लाला जी' को देश-भक्ति का,
अच्छा मजा चखाएँ ।

कई बार था पकड़ा उनको,
और जेल में डाला ।
हुआ न किन्तु रंचभर भी कम,
उनका जोश निराला ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

देश - प्रेम की अग्नि हृदय में,
दिन - दिन गई भड़कती ।
सेवा - भावों से जीवन की,
नाड़ी गई धड़कती ।

और आ गया सन् 'उनइस सौ-
अट्ठाइस' का साल ।
'तीस अक्टूबर' के दिन का,
मैं बतलाता हूँ हाल ।

तब 'साइमन कमीशन' अपने,
भारत में आया था ।
भारत की जनता में उसके,
प्रति विरोध छाया था ।

देश - भक्ति सब भारतीय,
अपना विरोध दर्शाते ।
'जाओ लौट साइमन वापस'–
जगह - जगह चिल्लाते ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

यों प्रबुद्ध भारत वालों ने,
बच्चो ! जगह - जगह पर।
था 'साइमन कमीशन' के प्रति,
रोष दिखाया जी - भर ।

काले झण्डे जगह-जगह पर,
उनको गये दिखाये ।
'साइमन वापस जाओ',
के भी नारे गये लगाये ।

'तीस अक्टूबर' को उसके,
आने की थी तैयारी ।
चहल - पहल 'लाहौर' रेलवे-
स्टेशन पर थी भारी ।

पर 'लाहौर' शहर की काफी,
जनता करने रोष - प्रदर्शन ।
प्रस्तुत थी एकत्रित हो,
आवेगा जिस समय कमीशन ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

है 'लाहौर' न बच्चो ! अपने
भारत के अन्दर अब ।
'पाकिस्तान' देश का है,
'लाहौर' प्रसिद्ध शहर अब ।

किन्तु बात है यह तब की,
जब 'पाकिस्तान' नहीं था ।
तब 'अखण्ड भारत' था पूरा,
'लाहौर' प्रसिद्ध यहीं था ।

बहिष्कार करने वाले,
लोगों के दल के नेता ।
स्वतंत्रता - प्रेमी भारत,
वालों के हृदय - विजेता ।

थे 'लाला लाजपत राय' ही,
तिरसठ वर्षी सज्जन ।
पर साहस - उत्साह आदि में,
थे वह सचमुच युवजन ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

ज्यों ही थी 'स्पेशल ट्रेन'
आई - बच्चो - स्टेशन पर ।
बायकाट करने वाले भी,
पहुँचे तभी वहाँ पर ।

'लाला जी' थे झण्डा पकड़े,
सब से आगे - आगे ।
उनका जोश और साहस,
लख जोश सभी के जागे ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

पर अँगरेज जल उठे,
सब पर लाठी-चार्ज कराया।
लगी धड़ाधड़ लाठी-डण्डे,
खाने उनकी काया।

लाठी बरसीं बूढ़े 'लाला जी',
की भी छाती पर।
वृद्ध शरीर– आ गईं काफी,
चोटें उनके तन पर।

× × ×

सभा हुई 'ब्राडला हाल' में,
करने रोष - प्रदर्शन।
सब वक्तागण ने धिक्कारा,
तब अँग्रेजी शासन।

बच्चो, 'लाला जी' का भी था,
हुआ वहाँ पर भाषण।
गरजे शेर - समान, गूँजता,
ज्यों दहाड़ से कानन।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

अत्याचार ब्रिटिश शासन का,
और न अधिक चलेगा ।
भागेगी अब दूर दासता,
आजादी का रवि निकलेगा ।

जो लाठी की चोटें खाईं,
मैंने बूढ़े तन पर ।
ये कीलें हैं ब्रिटिश राज्य के,
ठोंकी गईं कफ़न पर ।

× × ×

उन चोटों ने 'लाला जी' को,
बड़ी हानि पहुँचाई ।
उनका जीवन - दीप बुझ गया,
दुखद अँधेरी छाई ।

देश दुखी हो गया निधन से,
सबने शोक मनाया ।
अत्याचार खला जन-जन को,
सब में रोष समाया ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

कुछ ने तो बदला लेने की,
भी थी कसम उठायी ।
कुछ दिन बाद रक्त की धारा,
भी थी गई बहायी ।

उसका हाल तुम्हें मैं,
बच्चो ! आगे बतलाऊँगा ।
श्रद्धा - सुमन 'भगतसिंह' की,
स्मृति में जब बरसाऊँगा ।

× × ×

कुछ दिन पहले 'लाला जी' की,
जन्म - शताब्दी आई ।
धूम - धाम से अपने भारत,
में वह गई मनाई ।

'अट्ठाइस जनवरी अठारह,
सौ पैंसठ' का था साल ।
तब भारत - भू में जन्मा था,
वह भारत का लाल ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

'लाला जी' के नाम पार्क हैं,
अस्पताल, स्कूल ।
वह बलिदानी वीर अमर है,
उसे न सकते भूल ।

मातृ - भूमि के लिए वीर,
जो प्राण - त्याग कर जाते ।
इतिहासों में वे सदैव,
के लिए अमर हो जाते ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

तीन

शहीद भगतसिंह

मातृ-भूमि पर जिन वीरों ने,
हँस कर किये निछावर प्राण,
'भगतसिंह' का जगमग-जगमग,
उनमें चमक रहा बलिदान।

जन्म लिया जिस वंश-बीच,
वह देश भक्ति में था मशहूर।
भारत - माँ के लिए कष्ट,
सहने के मद में रहता चूर।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

पिता 'किशनसिंह' धीर-बुद्धि थे,
शान्त-प्रकृति सबने माना ।
फिर भी उन्हें पुलिस से बचने,
को 'नेपाल' पड़ा जाना ।

चाचा श्री 'अजीतसिंह' थे,
जो बड़े प्रसिद्ध क्रान्तिकारी ।
नजरबन्द थे रहे बहुत दिन,
कष्ट उठाये थे भारी ।

ऐसा था वह वंश कि जिसमें,
'भगतसिंह' ने जन्म लिया ।
बचपन से ही देश - प्रेम का,
और क्रान्ति का दूध पिया ।

'भगतसिंह' अवतीर्ण हुए थे,
जिस शुभ दिन इस धरती पर ।
उसी रोज चाचाजी छोड़े,
गये जेल से, आये घर ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

'भगतसिंह' की दादी जी को,
प्रसन्नता थी हुई अपार ।
बोलीं—"पुत्तर भागों वाला,
जन्मा है साड्डे परिवार ।"

भागों वाले इसी पुत्र का
रक्खा गया 'भगतसिंह' नाम ।
हुआ प्रसिद्ध क्रान्तिकारी वह,
किए शौर्य के अनुपम काम ।

× × ×

भगतसिंह ने डी० ए० वी०,
विद्यालय में शिक्षा पाकर ।
'मैट्रिक' पास किया फिर,
नाम लिखाया कालेज में जाकर ।

'नेशनल कालेज' में वह शिक्षा,
लगे प्राप्त करने आगे ।
'स्वतंत्रता' के और 'क्रान्ति' के,
भाव तभी मन में जागे ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

वहीं 'भगवतीचरण' तथा,
'सुखदेव' और 'यशपाल' मिले।
आगे चलकर यहीं क्रान्ति के,
उपवन में सब पुष्प खिले।

गुरुवर इन्हें पढ़ाते थे जो,
श्री जयचन्द्र विद्यालंकार।
थे 'शचीन्द्र सान्याल' प्रभावित,
करते गुपचुप क्रान्ति-प्रचार।

बीज क्रान्ति का इनके मन में,
उन गुरुवर ने ही डाला।
गुरुवर रहे गुड़ ही, पर चेले,
बन बैठे शक्कर आला।

'भगतसिंह' ने सिक्ख वंश में,
यद्यपि किया जन्म धारण,
सीखा किन्तु हिन्दी का,
लिखना भी औ' उच्चारण।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

पास हो गए जब एफ० ए०,
तब घर वालों ने किया विचार।
विवाह इनका कर दिया जाय,
ताकि बाँध ले घर-संसार ।

गर्म दूध के जले हुए थे,
छाँछ फूँक पीना चाहें ।
इसीलिए था सबने सोचा,
यथा शीघ्र इनको ब्याहें ।

भगतसिंह ने सोच लिया था,
मुझे देश का करना काम।
नहीं ब्याह करके घर रहना,
मुझको है आराम हराम।

भला व्यर्थ में किसी बालिका,
का जीवन क्यों करदूँ नष्ट ।
खतरों से है मुझे खेलना,
क्यों दूँ जीवन भर का कष्ट ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

यह विचार कर युवक 'भगतसिंह',
अपने घर से आये भाग ।
बच्चो, दिया देश की खातिर,
देखो किस प्रकार घर त्याग ।

'दिल्ली' आकर 'वीर अर्जुन' में,
किया कुछ समय उनने काम ।
'कानपुर' में आये फिर वह,
पर था बदल लिया अब नाम ।

अब 'बलवन्तसिंह' कहलाते,
बदला नाम और था वेश ।
दाढ़ी भी थी मुड़वा डाली,
और कटा डाले थे केश ।

वहाँ निकलता कानपूर से,
'गणेश जी' का पत्र प्रताप ।
कार्य 'प्रताप कार्यालय' में,
करने लगे वहाँ पर आप ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

घटी तभी बंगाल-प्रान्त में,
घटना थर्राने वाली ।
'गोपी मोहन साहा' ने,
गोरे की हत्या कर डाली ।

बच्चो, यद्यपि गोपीमोहन,
साहा ने फाँसी पाई ।
किन्तु देश में इस घटना की,
चर्चा हुई बहुत भाई ।

'गाँधी जी' ने गोपीमोहन,
साहा की निन्दा की थी ।
'देशबन्धु सी० आर० दास' ने,
उनकी किन्तु प्रशंसा की थी ।

गाँधी और दास में काफी,
तर्क - वितर्क हुआ इस पर ।
किन्तु भगतसिंह के कानों तक,
पहुँची वह जिस समय खबर ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh Funding by IKS-MoE-202

दिया उन्होंने इस बारे में,
'लायलपुर' में भाषण तब ।
जोर-शोर से किया समर्थन,
क्रान्ति - पक्ष का उनने तब ।

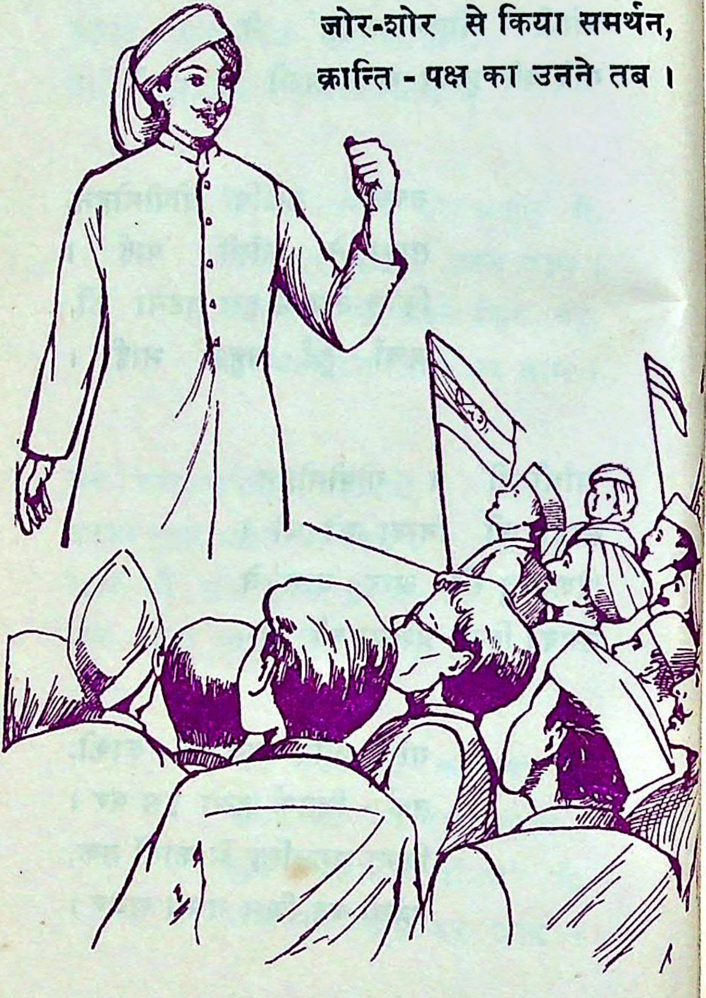

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

कहा–'कि जो गुलाम है उसको,
स्वतंत्र होने का अधिकार ।
आजादी को हासिल कर लो,
जैसे भी हो, किसी प्रकार ।'

चिढ़े ब्रिटिश अधिकारी भाषण,
'भगतसिंह' का सुन कर के ।
राज-द्रोह का केस चलाना,
चाहा उन्हें पकड़ कर के ।

किन्तु नहीं हो पाया ऐसा,
नौ जवान आये आगे ।
था नेतृत्व 'भगतसिंह' का,
भारत के वीर युवक जागे ।

'काकोरी षडयंत्र' किया जब,
यहाँ क्रान्तिकारी दल ने ।
तब पंजाब क्रान्ति का नेता,
था इनको माना सबने ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

दल के गुप्त कागजातों में,
आता 'उपदेशक' का नाम।
नहीं पुलिस को ज्ञात कि करते,
भगतसिंह ही थे वह काम।

'काकोरी' षडयंत्र मुकदमा,
दण्डित किया गया जिस काल।
कुछ बिखरा-बिगड़ा सा दिखने
लगा क्रान्ति के दल का हाल।

'रोशनसिंह' 'राजेन्द्र लाहिड़ी'
'बिस्मिल' ने फाँसी पाई।
क्रान्तिकारियों के दल में तब,
थोड़ी सी मन्दी आई।

कुछ को फाँसी मिली, पकड़ कर
कुछ को दिया जेल में डाल।
भगतसिंह ने उस अवसर पर,
लिया क्रान्ति का पक्ष सँभाल।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

नर-नाहर आजाद भगतसिंह,
'विजय कुमार' आदि मिलकर।
आन्दोलन में तेजी लाने का,
प्रयत्न करते जुट - जुट कर।

× × ×

करने लगा क्रान्तिकारी-दल,
जनता में छिप-छिपकर काम।
बम भी बनने लगे, पड़ गया
'नौजवान भारत दल' नाम।

जब 'साइमन कमीशन' सन्
अट्ठाईस में भारत आया।
जगह-जगह उसके विरोध का,
वातावरण यहाँ था छाया।

दल ने निश्चय किया कि उसके
सदस्यगणों को ही दें मार।
यद्यपि नहीं पूर्ण हो पाया,
दल वालों का विकट विचार।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-20

बहिष्कार करने में चोटें,
'लालाजी' को थीं आईं ।
उनका जीवन-दीप बुझ गया,
दुख की अँधियारी छाई ।

क्रान्तिकारियों ने तब सोचा,
यह तो है भारत-अपमान
इसका बदला लेना ही है,
जान रहे या जाये जान ।

फिर यह निश्चय हुआ—कि
लालाजी का है असमय बलिदान।
जो अफसर इसका दोषी है,
उसकी भी ली जाये जान ।

चार व्यक्ति इस कार्य-हेतु थे,
दल के द्वारा हुए नियुक्त ।
जो प्रयत्न कर 'सैंडर्स के,
कर दें प्राण देह से मुक्त ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

'राजगुरू' के साथ 'भगतसिंह',
और चन्द्रशेखर 'आजाद'।
'जय गोपाल' चतुर्थ व्यक्ति थे,
था कर्त्तव्य सभी को याद।

जब 'सुपरिंटेंडेंट पुलिस,
सैंडर्स' जा रहे दफ्तर से,
तभी चली पिस्तौल, हुए थे,
'फायर' उसे लक्ष्य करके।

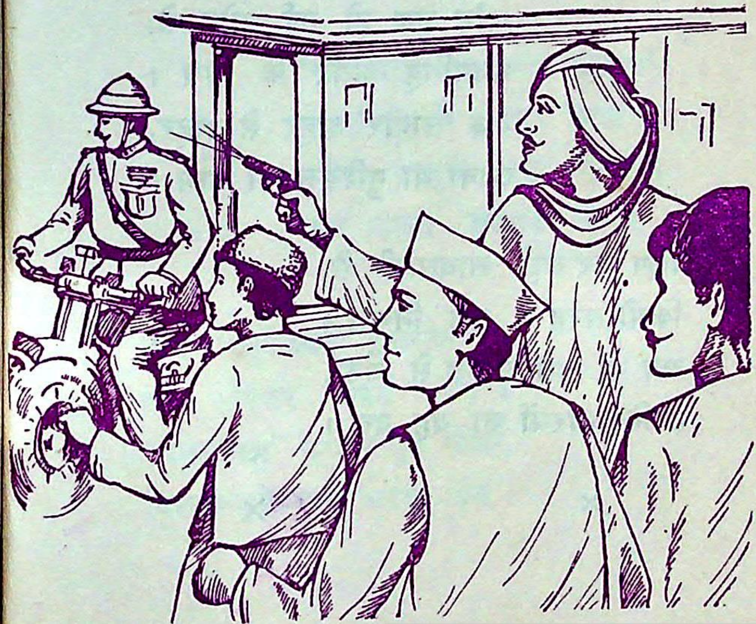

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

प्राणहीन 'सैंडर्स' गिर पड़ा,
'फटफटिया' भी गिरी वहाँ।
'पकड़ो, देखो, भाग न जावें–'
का मचता था शोर वहाँ।

कोई पकड़ा नहीं जा सका,
सभी वहाँ से गये निकल।
इस हत्या से किन्तु देश में,
मची सब तरफ थी हलचल।

जाँच शुरू हो गई जोर से,
भगतसिंह आदि के नाम।
अब 'लाहौर' शहर से बाहर,
जाना था मुश्किल का काम।

छिप कर बड़ी सावधानी से,
किसी तरह वे सके निकल।
अब भी नहीं शान्ति से बैठा,
क्रान्तिकारियों का यह दल।

× × ×

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

भगतसिंह थे खूब जानते,
'खून माँगता है इतिहास।'
रक्त-दान को वह प्रस्तुत थे,
आजादी लाने को पास।

वह सैंडर्स - काण्ड में यद्यपि,
हत्या के अभियुक्त बने।
किन्तु क्रान्तिकारी - दल के,
कार्यों में रहते खूब सने।

'रक्त-दान अब स्वयं करूगा',
भगतसिंह ने किया विचार।
और उन्होंने एक योजना,
कर डाली झटपट तैयार।

फिर 'बटुकेश्वर' क्रान्तिकारी,
को लेकर अपने सँग।
'भगतसिंह' ने बम एक फेंका,
दिल्ली-असेम्बली करदी भँग।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

नहीं किसी की हत्या करनी,
चाही थी बम के द्वारा ।
उन्हें सुनाना था बहरों को,
केवल 'इन्कलाब' नारा ।

भाग न पाये वीर वहाँ से,
उन दोनों को पकड़ लिया ।
गया मुकदमा शीघ्र चलाया,
उसमें दण्डित उन्हें किया ।

प्रतिहिंसा-वश उन्हें दिया,
आजीवन कालापानी - वास ।
पर दोनों ही वीर मुदित थे,
नहीं एक भी हुआ उदास ।

फिर सरदार भगतसिंह को ले,
आये दिल्ली से लाहौर ।
बंदीग्रह में तहाँ पड़े थे,
वीर क्रान्तिकारी कुछ और ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

'सैंडर्स' की हत्या का फिर,
चला मुकदमा उन सब पर।
दण्डित किया गया सबको ही,
बड़ा कठोर दण्ड देकर ।

'राजगुरू' 'सुखदेव' 'भगतसिंह',
को फाँसी का दण्ड मिला।
फिर भी उन तीनों वीरों का,
दिखता था मुख-कमल खिला।

कुछ को कालापानी, कुछ को,
दिया गया था कारावास ।
सभी क्रान्तिकारी प्रसन्न थे,
कोई भी था नहीं उदास ।

हुई अपील विलायत तक में,
इस निर्णय पर उठा सवाल।
पर फाँसी की सजा अंत तक,
बच्चो, रखी गई बहाल ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

दिन था वह 'इकत्तीस मार्च',
था 'उन्नीस सौ इकत्तीस' साल ।
'भगतसिंह' को अँगरेजों ने.
दी थी उस दिन फाँसी डाल ।

निर्भय - शूरवीर - मतवाले,
जीवन का अवसान हुआ ।
स्वतंत्रता की बलिवेदी पर,
अर्पित फिर इन्सान हुआ ।

ऐसे ही वीरों के कारण,
अपना देश हुआ आजाद ।
बच्चो ! उनको भूल न जाना,
हरदम उनको रखना याद ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

चार

नेता जी सुभाष

हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल ।
खिले जिसमें बलिदानी फूल,
जिन्हें हम कभी न सकते भूल ।

बने जो अपनी आप मिसाल,
जले जो बनकर त्याग-मशाल ।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

भूमि यह नर-रत्नों की खान,
महानों में जो हुए महान ।
एक से एक यहाँ पर वीर,
हुए हैं देश-भक्त, रण-धीर ।

जिन्होंने किया आत्म-बलिदान,
देश की खातिर दे दी जान ।
हो गए हँस - हँस कर कुरबान,
किन्तु होठों पर थी मुस्कान ।

बड़े पावन उनके आख्यान,
बड़े पावन उनके बलिदान ।
प्रेरणा करते सतत प्रदान,
हमें देते हैं सीख महान् ।

उन्हीं में एक वीर का आज,
बताता हूँ मैं तुमको हाल ।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

चमकता जिनका तीव्र प्रकाश,
धन्य 'नेता जी' 'वीर सुभाष'।
देश के युवक - हृदय - सम्राट,
था जिनका व्यक्तित्व विराट।

जिन्होंने किया देश-हित त्याग,
युवावस्था में लिया विराग।
देश - सेवा के अनुपम काम,
कर गये, अमर कर गये नाम।

प्रेरणा करते रहे प्रदान,
कार्य जो करते रहे महान।
अन्त में किया आत्म-बलिदान,
देश के लिए निछावर प्राण।

अपना जीवन धन्य कर लिया,
बने भारत - माता के लाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

पिता थे राय जानकीनाथ,
बिताते दिवस शान के साथ।
बड़े सरकारी वकील थे आप,
आठ पुत्रों के यद्यपि बाप।

पढ़ाया सबको भली प्रकार,
दिलायी शिक्षा भली प्रकार।
उच्च शिक्षा के लिए विदेश,
गया भेजा सबको तज देश।

बना उनमें बैरिस्टर कोई,
डाक्टर औ' इंजीनियर कोई।
बहुत पढ़ने में तेज सुभाष,
चमकते जैसे तेज प्रकाश।

किया पर जब बी०ए० उत्तीर्ण,
उस समय दिखला गए कमाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

प्रथम श्रेणी थे लाते सदा,
प्रशंसा सबसे पाते सदा ।
किन्तु बी०ए० में किया कमाल,
बताता हूँ मैं उसका हाल,

प्रथम श्रेणी में आये प्रथम,
विश्वविद्यालय भर में प्रथम ।
सभी ने दिया उन्हें आशीष,
सफलता दें सदैव जगदीश ।

विलायत भी फिर गये सुभाष,
किया फिर आई०सी०एस० पास ।
आई० सी० एस० होते जो लोग,
कलेक्टर बनते थे वे लोग ।

आई०सी०एस० की क्या थी शान,
ब्रिटिश शासन का जब था काल ।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

पिता ने मन में किया विचार,
'पुत्र अब पढ़-लिख कर तैयार।
हुआ है आई० सी० एस० पास,
बनेगा अफसर शीघ्र सुभाष।'

हुई मन चीती किन्तु न बात,
हो गया हाय ! तुषारापात।
पुत्र के बदले सभी विचार,
पिता का छिन्न-भिन्न संसार।

हुआ आशा का महल 'धड़ाम',
लिखाया कांग्रेस में नाम।
कलेक्टर बने न युवक सुभाष,
आ गये देशबन्धु के पास।

पिता था अँगरेजों का भक्त,
बन गया शासन-द्रोही लाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

देश का था अब बदला रंग,
लहरती जागृति तरल-तरंग।
हो रहा बहिष्कार हर ओर,
देश - सेवा - प्रचार हर ओर।

छोड़ते थे सब कालेज - स्कूल,
खुल रहे राष्ट्रीय थे स्कूल।
बनाया गया इन्हें आचार्य,
कार्य यह इन्हें हुआ स्वीकार।

देश का करते जुट कर काम,
हुआ इनको आराम हराम।
चला घटना-क्रम फिर अति तेज,
हो गये क्रुद्ध बहुत अँग्रेज।

भाग्य का देखो तो परिहास,
पकड़ कर दिया जेल में डाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

जेल में बिता दिए छः मास,
आ गये बाहर पुनः सुभाष।
निकाला 'फारवर्ड' अखबार,
पार्टी का ऊँचा करे प्रचार।

बने सम्पादक उसके,
लगे प्रचार करने आप।
बने फिर देशबन्धुजी 'मेयर',
आप 'इक्जीक्यूटिव आफीसर'।

निर्धन की सेवा का काम,
किया जम कर, न किया आराम।
किया शिक्षा का बहुत प्रचार,
दीन-दुखी का अति उपकार।

ब्रिटिश-शासक-दल फिर भी रुष्ट,
बना ही रहा क्रोध से लाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

और फिर पकड़े गये सुभाष,
जेल में जकड़े गए सुभाष।
गई बदल जेलों पर जेल,
चला यह काफी दिन तक खेल।

गिरता गया स्वास्थ्य भी उनका,
कम हो गया वजन भी उनका।
और लगे करने भी अनशन,
जिससे देश था चिन्तित प्रति छन।

चिन्ता सी छा गई देश में,
आँधी सी आ गई देश में।
सब ने समझाया सुभाष को,
धैर्य बँधाया था सुभाष को।

मान कर नेताओं की बात,
तज दिया था अनशन तत्काल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

जेल में रक्खा फिर भी बन्द,
स्वास्थ्य हो रहा दिनोंदिन मन्द।
हो गया सबका धैर्य समाप्त,
देश में हुआ क्रोध सा व्याप्त।

कि हैं क्यों पकड़े गए सुभाष ?
व्यर्थ क्यों जकड़े गए सुभाष ?
हो गया आन्दोलन प्रारम्भ,
हिल उठा अँगरेजों का दम्भ।

यद्यपि बीमारी थी गम्भीर,
और था दुर्बल-रुग्ण शरीर।
किन्तु देश की ही चिन्ता थी,
स्वतन्त्रता की ही लिप्सा थी।

रहा न देश के दीवाने को,
अपना ध्यान, न अन्य सवाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

हो रहा आन्दोलन अति तेज,
झुक गए फिर दम्भी अँगरेज।
जेल से छोड़े गए सुभाष,
हो गये दुबले बहुत सुभाष।

नृत्य कर उठा देश-मन-मोर,
हो गए सब आनन्द-विभोर।
प्रार्थना की सबने—'भगवान,
स्वास्थ्य का दो सुभाष को दान।'

हुई सबकी अनुनय स्वीकार,
स्वास्थ्य में होने लगा सुधार।
शुरू कर दिया देश का काम,
कहाँ दीवानों को आराम?

देश की चिन्ता ही दिन-रात,
देश का ही रहता था ख्याल।
हमारी स्वर्ण-भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

बड़े निर्भीक, बड़े विद्वान,
देश का ही रखते थे ध्यान।
कभी यह काम, कभी वह काम,
इन्हें तो था आराम हराम।

युवक आन्दोलन के थे प्राण,
फूँक दी थी युवकों में जान।
ब्रिटिश-दल ने शाही मेहमान,
बनाया बंदीगृह की शान।

गई दुहराई फिर सब बात,
भागते जागते थे दिन - रात।
और फिर 'लन्दन' किया प्रयाण,
जमा दी वहाँ सभी पर शान।

तहलका वहाँ मचाया खूब,
लिया भारत का पक्ष सँभाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बँगाल,
जहाँ पर लगीं क्रान्ति की डाल।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

‘कांग्रेस’ का अधिवेशन तभी,
मनाने लगे जोश से सभी।
‘हरिपुरा’ अधिवेशन की धूम,
रही थी मानो नभ को चूम।

सभापति इन्हें बनाया गया,
राष्ट्रपति - वेश सजाया गया।
आपका भाषण रहा महान,
बड़ा ओजस्वी गौरववान।

और फिर किया शान से काम,
चतुर्दिक फैला इनका नाम।
देश की आजादी की बात,
सोचते रहते थे दिन - रात।

देश के लिए विकल थे आप,
उसी का रहता हरदम ख्याल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

दूसरा महा युद्ध छिड़ा फिर,
हो गया हाल-चाल गड़बड़ा फिर।
ब्रिटिश-शासक भारत को खींच,
रहे थे व्यर्थ युद्ध के बीच।

इसी का डट कर किया विरोध,
हुआ अँगरेजों को अति क्रोध।
इन्हें कर लिया नजर बन्द फिर,
बन्द कर दिया भवन बीच फिर।

ब्रिटिश शासन ने किया विचार,
'कि बैठेंगे अब हिम्मत हार।
सफल होगी हम सब की चाल,
बनेगा, जो है बिगड़ा हाल।'

इसी से घर के चारों ओर,
पुलिस बैठी थी घेरा डाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

नजरबंदी में किया कमाल,
न पड़ा मालूम किसी को हाल ।
चुपके - चुपके किया सब काम,
भला उन्हें कब था विश्राम ।

वेश को बदले वीर सुभाष,
भवन से निकले वीर सुभाष ।
दिख रहे थे काबुली पठान,
कर लिया था 'पश्तो' का ज्ञान ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

चल पड़े काबुल को चुप-चाप,
निकल आये भारत से आप।
कहाँ बंगाली 'बोस महाशय',
कहाँ थी 'पश्तो' भाषा, हाय।

कोई जान न सका इन्सान,
छिपी इनमें कमाल की चाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

पुलिस जो बैठी घेरा डाल,
समझी कुछ न सुभाष की चाल।
जान पाए जब सब अँगरेज,
बहुत शरमाये तब अँगरेज।

जर्मनी पहुँचे वीर सुभाष,
मिले हिटलर से वीर सुभाष।
योजना की मिलकर तैयार,
कि कैसे हो भारत-उपकार।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

किस तरह हो आजादी प्राप्त ?
गुलामी का हो दौर समाप्त ।
वहाँ से आये सिंगापुर,
जर्मनी से वह काफी दूर ।

युद्ध का था सिंगापुर क्षेत्र ,
लपटें थीं उठ रही विकराल !
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल ।

वहाँ लड़ते ब्रिटेन, जापान,
हो रहा प्राणों का बलिदान ।
वहीं पर ब्रिटिश सैन्य की ओर,
दिखाते भारतीय थे जोर ।

फौज कर डाली झट तैयार,
सभी थे वीर, सभी हुशियार ।
बनी 'आजाद हिन्द की फौज',
जिन्हें लड़ने लड़ने-मरने की मौज ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

सभी के मन में था 'अरमान',
स्वतंत्र बना दें 'हिन्दुस्तान'।
बने सेना - अध्यक्ष सुभाष,
चमकते चारों ओर सुभाष।

बना प्रोग्राम 'कि हो जयहिन्द',
उठे दुनिया में भारत भाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल।

वीरता बहुत दिखाई वहाँ,
विविध विधि सैन्य सजाई वहाँ।
बने 'नेताजी' वहाँ सुभाष,
हर तरफ फैला तीव्र प्रकाश।

इन्हीं पर थी जन-जन की आश,
बनावेंगे स्वतंत्र आकाश।
एक दिन जाते थे जापान,
घटी दुर्घटना तभी महान।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

हो गया नष्ट, जल गया यान,
हो गया इनका महाप्रयाण ।
देश के लिए दे दिए प्राण,
कर दिया अमर आत्म-बलिदान ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

धन्य ! नेताजी वीर सुभाष,
धन्य थे भारत माँ के लाल ।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति की डाल ।

देश - हित जो देते जान,
अमर हो जाते वे इंसान ।
रहेंगे युग - युग अमर सुभाष,
जियेंगे युग-युग अमर सुभाष ।

उन्हें बच्चो ! मत जाना भूल,
चढ़ाना श्रद्धा के दो फूल ।
आज है भारत देश स्वतंत्र,
खिला है यहाँ मुक्त जनतंत्र ।

बनाने को भारत आजाद,
हो गये थे जो खुद बरबाद ।
उन्हें तो रखना ही तुम याद,
अमर हैं वे नर ! जिन्दाबाद ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

तुम्हें उसी पथ पर है बढ़ना,
गये जो चरण-चिन्ह वे डाल।
हमारी स्वर्ण - भूमि बंगाल,
जहाँ पर लगी क्रान्ति को डाल।

✦✦

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

पाँच

परमवीर अब्दुल हमीद

देश का खाया हमने अन्न,
पिया इसका अमृतमय नीर।
बढ़े इसी से पोषित होकर,
हमारे सबके पुष्ट शरीर।

हमारा देश हमारी जननी,
सतत देता है जीवन-दान।
यहाँ के सभी निवासी बन्धु,
एक ही माता की सन्तान।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

देश के बुद्धिमान जन सब ही,
सदा सर्वदा रखते ध्यान ।
करते सदा देश-हित हँस कर,
अपना तन-मन-धन बलिदान ।

जब-जब संकट पड़ा देश पर,
तभी सब वैर, विरोध बिसार।
एक साथ मिल सभी जुट गए,
किया उस संकट का प्रतिकार ।

हमारे प्यारे भारत बीच,
सदा यह दिखलाई दी बात ।
यहाँ दुख - दारुण रजनी मध्य,
सदा चमका है दिव्य प्रभात ।

अभी की ही तो है यह बात,
देश पर संकट पड़ा महान ।
हमारे 'काश्मीर' पर जबकि,
आ गया चढ़कर 'पाकिस्तान' ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

जिसे हम बन्धु रहे मानते,
उसी ने सब कुछ दिया बिसार।
भयङ्कर वायुयान औ टैंक -
सहित हमपर कर दिया प्रहार।

'शठे शाठ्यं' की सुन्दर नीति,
अपनाते हम रहे सदा।
मित्रों के हम परम मित्र हैं,
शत्रु घबराते रहे सदा।

सभी हिन्दू-मुस्लिम औ' सिख,
सभी भारत-माँ की सन्तान।
छोड़ करके प्राणों का मोह,
लगे लड़ने, करने बलिदान।

हुआ वह बड़ा भयङ्कर युद्ध,
शत्रु को हमने दिया पछाड़।
बढ़ते गए भगाते अरि को,
जीतते हम मैदान - पहाड़।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

शत्रु के वायुयान औ' टैंक,
सैंकड़ों कर डाले बेकार ।
हमारा अनुपम शौर्य विलोक,
रह गया चकित सकल संसार ।

देश का परमवीर था एक,
पुत्र भारत का गौरव वान ।
देश - हित करके अनुपम युद्ध,
किया जिसने अपना बलिदान ।

वीर का अमर हो गया नाम,
वीर का अमर हो गया काम ।
वीर का अमर हो गया ग्राम,
वीर का अमर हो गया धाम ।

उसकी हो मैं तुम को आज,
जा रहा हूँ बतलाने बात ।
शौर्य, साहस का प्रबल प्रतीक,
हुआ जो जग भर में विख्यात ।

× × ×

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

पूर्व 'उत्तर प्रदेश' में एक,
जिला है छोटा 'गाजीपुर'।
वहीं पर है 'धामूँपुर' ग्राम,
हो गया जो दिश-दिश मशहूर।

वहीं पर रहते 'दरजी' एक,
नाम है जिनका श्री उसमान।
पुराने सीधे - सादे व्यक्ति,
बड़े साधारण से इन्सान।

उन्हीं का था वह प्यारा पुत्र,
धरा 'अब्दुल हमीद' था नाम।
लकड़पन से वह कुश्ती, खेल,
पटे बाजी में था सरनाम।

धामूँपुर के लोगों का था,
प्रेम मय स्वर्ग - सदृश संसार।
हिल-मिल कर थे सभी मनाते,
ईद औ' होली के त्यौहार।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

न कोई हिन्दू मुस्लिम वहाँ,
नहीं धर्मान्ध वहाँ इन्सान।
सभी प्रेम से मिल कर रहते,
एक ही माता की ज्यों सन्तान।

गाँव का प्यारा रहा 'हमीद',
तन से, क्षीण मन से फौलाद।
हो गई वीरता बचपन से,
सदा को तन-मन में आबाद।

सैनिक बना बड़ा होकर वह,
लिखवाया झट सेना में नाम।
सजा फौजी वर्दी में खूब,
मिला मन के माफिक ही काम।

कवायद करता, करता बढ़ा,
काम में था अपने हुशियार ।
'लाँस नायक' फिर 'नायक' बना,
हुआ फिर 'हवलदार' तैयार ।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

हमलावर हो गया तभी था,
'पाकिस्तान' पड़ौसी अपना ।
फूट गईं उसकी वो आँखें,
जिन से देख रहा था सपना ।

हमारी सेना के मजबूत,
शेर दिल, हिम्मत भरे जवान ।
गरज कर टूट पड़े जिस काल,
भगा डर करके पाकिस्तान ।

टक्करें खूब हुईं डटकर,
मौत का हुआ गर्म बाजार ।
कब्र बनीं 'पैंटन' टैंकों की,
हुए 'सैवरजेट' जल कर क्षार ।

ले लिया हमने कितना क्षेत्र,
जानता है सारा संसार ।
'इच्छोगिल नहर' व 'हाजीपीर',
सब जगह हुई शत्रु की हार ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

स्वर्ग - सम 'काश्मीर' क्षेत्र,
युद्ध-स्थल 'खेमकरन' व 'कुसूर'।
वहीं 'अब्दुल हमीद' तैनात,
लड़ रहा घर वालों से दूर ।

× × ×

पाकिस्तानी सैनिक दल ने,
लेकर अमरीकी हथियार।
सोच लिया था अपने मन में,
'कर देंगे हम बण्टाधार'।

भारतवासी डर जावेंगे,
देख हमारा जोश - खरोश ।
'काश्मीर' हम हथिया लेंगे,
वे डर कर होंगे खामोश ।

पर मतवाले भारत वाले,
टकराये जब वीर जवान ।
पाकिस्तानी ख्वाब मिट गए;
मुश्किल हुई बचानी जान।

gamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-202

उनके 'पैटन टैंक' भयङ्कर,
तोड़े गए, हुए बेकार ।
'सैबर जेट' यान कितने ही,
किए नष्ट, कर विकट प्रहार ।

अमरीकी हथियार 'फुस्स' हो गये,
आ सके कुछ भी न काम ।
पाकिस्तानी भागे तज कर,
अस्त्र-शस्त्र के ढेर तमाम ।

'खेमकरन' के क्षेत्र-बीच,
है 'कुसूर' नामक एक मुकाम ।
वहाँ युद्ध की लपटें उठतीं,
दोनों फौजें किए मुकाम ।

हवलदार 'अब्दुल हमीद' था,
वहीं 'जीप' लेकर तैनात ।
सोच रहा था मन ही मन में,
भारत की रक्षा की बात ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

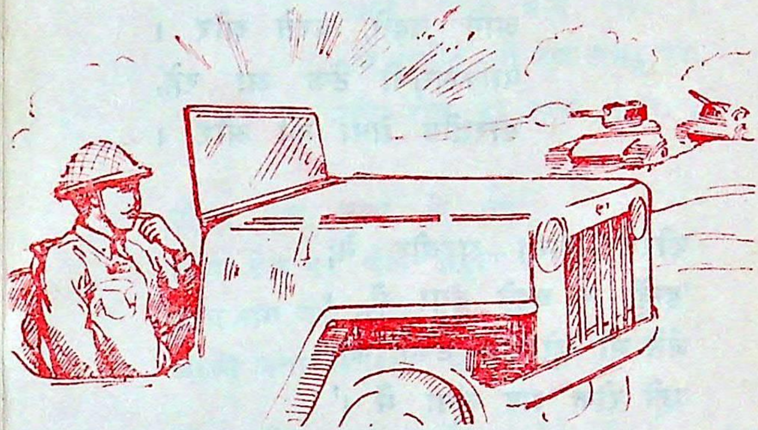

‘नहीं ख्वाब में भी ले सकता,
दुश्मन भारत से ‘कश्मीर’।
मुल्के - अदम भेज देंगे हम,
रख देंगे टांगों को चीर।

उनके पैंटन टैंक बताशों,
की माफिक तोड़ेंगे हम।
पाकिस्तानी कदमों को,
उल्टे वापस मोड़ेंगे हम।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025

इतने में देखा 'हमीद' ने,
आगे बढ़ते, करते शोर ।
पाकिस्तानी टैंक आ रहे,
भारतीय सेना की ओर ।

फौरन सोचा शूरवीर ने;
'इन्हें न बढ़ने दूँगा मैं ।
जैसे भी हो इन टैंकों को,
यहीं रोक झट लूँगा मैं ।'

अपनी जीप बढ़ाई उसने,
वहीं एक टीले की ओर ।
तब तक टैंक आ गए बढ़ते,
घर··घर··घर का करते शोर ।

सोच रहा था–टीले तक वह,
जाकर ठहरे मौका देख ।
और वहाँ से उन टैंको पर,
मारेगा गोलों को फेंक ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

किन्तु शत्रु का एक टैंक खुद,
उसके पीछे दौड़ पड़ा ।
अब 'हमीद' भी एक जगह पर,
जीप रोक हो गया खड़ा ।

गोला एक हाथ से झट,
किया टैंक पर फैंक प्रहार ।
आग लग गई तभी टैंक में,
जलने लगा धड़ाका मार ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025

तब तक तीन टैंक चढ़ दौड़े,
ज्यों पक्षी पर टूटे बाज ।
परमवीर ने उनमें दो को,
किया नष्ट, ज्यों गिरती गाज ।

फिर अपने साथी वीरों को,
उसने ललकारा बढ़कर ।
'आगे बढ़ो'—कहा चिल्लाकर,
टूट पड़ा फिर चौथे पर ।

पर लोहे के नाखूनों से,
उस चौथे ने लिया दबोच ।
'हवलदार अब्दुल हमीद' का
जीवन-कुरता डाला नोंच ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

था उस रोज सितम्बर सत्रह,
सन पैंसठ का बच्चो ! दिन,
जब हम सब से 'परमवीर' वह,
गया मौत के हाथों छिन ।

अमर हो गई कथा वीर की,
जो सचमुच लासानी है ।
जो कि 'देश के लिए' मर गया,
उसकी अमर कहानी है ।

भारत ने भी 'परमवीर' को,
था भारी सम्मान दिया ।
अति आदर से 'चक्र' वीरता,
का 'सर्वोच्च' प्रदान किया ।

++

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025

प्रिय पाठक

तुमने यह पुस्तक
पढ़ी । हमें लिखो
कि तुम्हें यह पुस्तक
कैसी लगी । हम तुम्हारे
विचारों का सम्मान करेंगे। यदि
तुम अनेक विषयों की ऐसी रोचक
पुस्तकें पढ़ना चाहते हो तो हमें लिखो।
बाल बुक बैंक तीन से दस वर्ष के बच्चों के लिए
तो बहुरंगी पुस्तकें प्रकाशित कर ही रहा
है, साथ ही ग्यारह से सोलह वर्ष के
किशोरों के लिए भी अनेक विषयों की
पुस्तकों का प्रकाशन कर रहा है।
सरस और ज्ञानवर्धक पुस्तकें
प्राप्त करवाने में हम तुम्हारी
भरपूर सहायता करेंगे।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025

किशोर वर्ग की अन्य पुस्तकें

पहला सेट

क–१	आओ चन्दा के देश चलें	: डॉ० हरिकृष्ण देवसरे
क–२	मूर्खों के मूर्ख	: धर्मपाल शास्त्री
क–३	भारतीय टिकटों की कहानी	: गजराज जैन
क–४	धरती के ये जन्तु अनोखे	: श्यामसुन्दर शर्मा

दूसरा सेट

क–५	लव-कुश	: 'मनोज'
क–६	गाँधी विचार-सार	: डॉ० हरिकृष्ण देवसरे
क–७	शुक्रग्रह का मेहमान	: विनोद अग्रवाल
क–८	तमाशे में तमाशा	: मनोहर वर्मा

तीसरा सेट

क–९	अपोलो चंदा के देश में	: श्यामसुन्दर शर्मा
क–१०	देवताओं का घमण्ड	: संतराम वत्स्य
क–११	बौनों के देश में	: कृष्ण विकल
क–१२	बच्चों के बापू	: डॉ० हरिकृष्ण देवसरे

चौथा सेट

क–१३	मंगलग्रह में राजू	: हरिकृष्ण देवसरे
क–१४	मूर्खों का नगर	: विभा देवसरे
क–१५	रहस्यों का सौदागर	: राजेशकुमार जैन
क–१६	सिक्कों की कहानी	: मनोहरलाल वर्मा

पाँचवा सेट

क–१७	ममता	: देवेश ठाकुर
क–१८	शिकार की तलाश	: इन्दिरा 'नूपुर'
क–१९	अचल अटल	: शुकदेव दुबे
क–२०	घर से भागा मटरू	: पिल्ला सुब्बाराव

छठा सेट

क–२१	ये विचित्र इन्सान	: डॉ० भारतीय वैद्य
क–२२	खेल-खेल में विज्ञान	: मनोहरलाल वर्मा
क–२३	मुसीबत के साथी	: रामलाल
क–२४	सागर की सैर	: धीरजलाल गज्जर

प्रत्येक का मूल्य : १·८०

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-